# Gen

## Chapter 1

Amharic Interlinear

Reference: Amharic Selassie Bible

1

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| בְּרֵאשִׁית | בָּרָא | אֱלֹהִים | אֵת | הַשָּׁמַיִם | וְאֵת | הָאָרֶץ׃ |
| -በ-መጀመሪያ | ፈጠረ | አምላክ | (ን) | -ያ-ሰማያት | -እና-(ን) | -ያ-ምድር |
| H7225 | | H0430 | H0853 | H8064 | H0853 | H0776 |

በመጀመሪያ እግዚአብሔር ሰማይንና ምድርን ፈጠረ።

2

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וְהָאָרֶץ | הָיְתָה | תֹהוּ | וָבֹהוּ | וְחֹשֶׁךְ | עַל־ | פְּנֵי | תְהוֹם | וְרוּחַ | אֱלֹהִים |
| -እና-ያ-ምድር | ሆነች | ባዶነት | -እና-ጥፋት | -እና-ጨለማ | -በ-ላይ | ፊት | ጥልቅ | -እና-መንፈስ | አምላክ |
| H0776 | H1961 | H8414 | H0922 | H2822 | | H6440 | H8415 | H7307 | H0430 |

| | | |
|---|---|---|
| מְרַחֶפֶת | עַל־ | פְּנֵי | הַמָּיִם׃ |
| ያንዣብብ-ነበር | -በ-ላይ | ፊት | -ያ-ውሃ |
| | | H6440 | H4325 |

ምድርም ባዶ ነበረች፥ አንዳችም አልነበረባትም፤ ጨለማም በጥልቁ ላይ ነበረ፤ የእግዚአብሔርም መንፈስ በውኃ ላይ ሰፍፎ ነበር።

3

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| וַיֹּאמֶר | אֱלֹהִים | יְהִי | אוֹר | וַיְהִי־ | אוֹר׃ |
| -እና-አለ | አምላክ | ይሁን | ብርሃን | -እና-ሆነ | ብርሃን |
| H0559 | H0430 | H1961 | H0216 | H1961 | H0216 |

እግዚአብሔርም። ብርሃን ይሁን ኣለ፤ ብርሃንም ሆነ።

4

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיַּרְא | אֱלֹהִים | אֶת־ | הָאוֹר | כִּי־ | טוֹב | וַיַּבְדֵּל | אֱלֹהִים | בֵּין | הָאוֹר |
| -እና-አየ | አምላክ | (ን) | -ያ-ብርሃን | እንደ | ጥሩ | -እና-ለየ | አምላክ | -በ-መካከል | -ያ-ብርሃን |
| H7200 | H0430 | H0853 | H0216 | | | H0914 | H0430 | H0996 | H0216 |

| | |
|---|---|
| וּבֵין | הַחֹשֶׁךְ׃ |
| -እና-በ-መካከል | -ያ-ጨለማ |
| H0996 | H2822 |

እግዚአብሔርም ብርሃኑ መልካም እንደ ሆነ አየ፤ እግዚብሔርም ብርሃንንና ጨለማን ለየ።

5

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיִּקְרָא | אֱלֹהִים | לָאוֹר | יוֹם | וְלַחֹשֶׁךְ | קָרָא | לָיְלָה | וַיְהִי־ | עֶרֶב | וַיְהִי־ | בֹקֶר |
| -እና-ጠራ | አምላክ | -ለ-ብርሃን | ቀን | -እና-ለ-ጨለማ | ጠራ | ሌሊት | -እና-ሆነ | ማታ | -እና-ሆነ | ጥዋት |
| H7121 | H0430 | H0216 | H3117 | H2822 | H7121 | H3915 | H1961 | H6153 | H1961 | H1242 |

| | | |
|---|---|---|
| יוֹם | אֶחָד׃ | פ |
| ቀን | አንድ | ፡ |
| H3117 | H0259 | |

እግዚአብሔርም ብርሃኑን ቀን ብሎ ጠራው፥ ጨለማውንም ሌሊት አለው። ማታም ሆነ ጥዋትም ሆነ፥ አንድ ቀን።

6

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיֹּאמֶר | אֱלֹהִים | יְהִי | רָקִיעַ | בְּתוֹךְ | הַמָּיִם | וִיהִי | מַבְדִּיל | בֵּין | מַיִם | לָמָיִם׃ |
| -እና-አለ | አምላክ | ይሁን | ጠፈር | -በ-መካከል | -ያ-ውሃ | -እና-ይሁን | ለያይ | -በ-መካከል | ውሃ | -ለ-ውሃ |
| H0559 | H0430 | H1961 | H7549 | H8432 | H4325 | H1961 | H0914 | H0996 | H4325 | H4325 |

እግዚአብሔርም። በውኖች መካከል ጠፈር ይሁን፥ በውኃና በውኃ መካከልም ይክፈል አለ።

7

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיַּעַשׂ | אֱלֹהִים | אֶת־ | הָרָקִיעַ | וַיַּבְדֵּל | בֵּין | הַמַּיִם | אֲשֶׁר | מִתַּחַת |
| -እና-አደረገ | አምላክ | (ን) | -ያ-ጠፈር | -እና-ለየ | -በ-መካከል | -ያ-ውሃ | የ | -ከ-ታች |
| | H0430 | H0853 | H7549 | H0914 | H0996 | H4325 | | H8478 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| לָרָקִיעַ | וּבֵין | הַמַּיִם | אֲשֶׁר | מֵעַל | לָרָקִיעַ | וַיְהִי־ | כֵן׃ |
| -ለ-ጠፈር | -እና-በ-መካከል | -ያ-ውሃ | የ | -ከ-ላይ | -ለ-ጠፈር | -እና-ሆነ | እንዲሁ |
| H7549 | H0996 | H4325 | | | H7549 | H1961 | |

እግዚአብሔርም ጠፈርን አደረገ፥ ከጠፈር በታችና ከጠፈር በላይ ያሉትንም ውኆች ለየ፤ እንዲሁም ሆነ።

8

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיִּקְרָא | אֱלֹהִים | לָרָקִיעַ | שָׁמָיִם | וַיְהִי־ | עֶרֶב | וַיְהִי־ | בֹקֶר | יוֹם | שֵׁנִי׃ | פ |
| -እና-ጠራ | አምላክ | -ለ-ጠፈር | ሰማያት | -እና-ሆነ | ማታ | -እና-ሆነ | ጥዋት | ቀን | ሁለተኛ | ፡ |
| H7121 | H0430 | H7549 | H8064 | H1961 | H6153 | H1961 | H1242 | H3117 | H8145 | |

እግዚአብሔር ጠፈርን ሰማይ ብሎ ጠራው። ማታም ሆነ ጥዋትም ሆነ፥ ሁለተኛ ቀን።

9

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיֹּאמֶר | אֱלֹהִים | יִקָּווּ | הַמַּיִם | מִתַּחַת | הַשָּׁמַיִם | אֶל־ | מָקוֹם | אֶחָד | וְתֵרָאֶה | הַיַּבָּשָׁה |
| -እና-አለ | አምላክ | ይሰበሰብ | -ያ-ውሃ | -ከ-ታች | -ያ-ሰማያት | -ወደ | ስፍራ | አንድ | -እና-ትታይ | -ያ-ደረቅ |
| H0559 | H0430 | | H4325 | H8478 | H8064 | H0413 | H4725 | H0259 | H7200 | H3004 |

| | |
|---|---|
| וַיְהִי־ | כֵן׃ |
| -እና-ሆነ | እንዲሁ |
| H1961 | |

እግዚአብሔርም። ከሰማይ በታች ያለው ውኃ በአንድ ስፍራ ይሰብሰብ፥ የብሱም ይገለጥ አለ እንዲሁም ሆነ።

10

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיִּקְרָא | אֱלֹהִים | לַיַّבָּשָׁה | אֶרֶץ | וּלְמִקְוֵה | הַמָּיִם | קָרָא | יַמִּים | וַיַּרְא | אֱלֹהִים |
| -እና-ጠራ | አምላክ | -ለ-ደረቅ | ምድር | -እና-ለ-መሰብሰቢያ | -ያ-ውሃ | ጠራ | ባሕሮች | -እና-አየ | አምላክ |
| H7121 | H0430 | H3004 | H0776 | | H4325 | H7121 | H3220 | H7200 | H0430 |

| | |
|---|---|
| כִּי־ | טוֹב׃ |
| እንደ | ጥሩ |

እግዚአብሔርም የብሱን ምድር ብሎ ጠራው፤ የውኃ መከማቻውንም ባሕር አለው፤ እግዚአብሔርም ያ መልካም እንደ ሆነ አየ።

11

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיֹּאמֶר | אֱלֹהִים | תַּדְשֵׁא | הָאָרֶץ | דֶּשֶׁא | עֵשֶׂב | מַזְרִיעַ | זֶרַע | עֵץ | פְּרִי־ | עֹשֶׂה | פְּרִי |
| -እና-አለ | አምላክ | ታብቅል | -ያ-ምድር | ሣር | ዕፅዋት | ዘር-ያዘረ | ዘር | ዛፍ | ፍሬ | የሚያፈራ | ፍሬ |
| H0559 | H0430 | H1876 | H0776 | H1877 | H6212 | H2232 | H2233 | H6086 | H6529 | | H6529 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| לְמִינוֹ | אֲשֶׁר | זַרְעוֹ־ | בוֹ | עַל־ | הָאָרֶץ | וַיְהִי־ | כֵן׃ |
| -ለ-ዓይነቱ | የ | ዘሩ | -በ-ውስጡ | -በ-ላይ | -ያ-ምድር | -እና-ሆነ | እንዲሁ |
| H4327 | | H2233 | | | H0776 | H1961 | |

እግዚአብሔርም። ምድር ዘርን የሚሰጥ ሣርንና ቡቃያን በምድርም ላይ እንደ ወገኑ ዘሩ ያለበትን ፍሬን የሚያፈራ ዛፍን ታብቅል አለ፤ እንዲሁም ሆነ።

12

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַתּוֹצֵא | הָאָרֶץ | דֶּשֶׁא | עֵשֶׂב | מַזְרִיעַ | זֶרַע | לְמִינֵהוּ | וְעֵץ | עֹשֶׂה־ | פְּרִי | אֲשֶׁר |
| -እና-አወጣች | -ያ-ምድር | ሣር | ዕፅዋት | ዘር-ያዘረ | ዘር | -ለ-ዓይነቱ | -እና-ዛፍ | የሚያፈራ | ፍሬ | የ |
| H3318 | H0776 | H1877 | H6212 | H2232 | H2233 | H4327 | H6086 | | H6529 | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| זַרְעוֹ־ | בוֹ | לְמִינֵהוּ | וַיַּרְא | אֱלֹהִים | כִּי־ | טוֹב׃ |
| ዘሩ | -በ-ውስጡ | -ለ-ዓይነቱ | -እና-አየ | አምላክ | እንደ | ጥሩ |
| H2233 | | H4327 | H7200 | H0430 | | |

ምድርም ዘርን የሚሰጥ ሣርንና ቡቃያን እንደ ወገኑ ዘሩም ያለበትን ፍሬን የሚያፈራ ዛፍን እንደ ወገኑ አበቀለች። እግዚአብሔርም ያ መልካም እንደ ሆነ አየ።

13

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיְהִי־ | עֶרֶב | וַיְהִי־ | בֹקֶר | יוֹם | שְׁלִישִׁי׃ | פ |
| -እና-ሆነ | ማታ | -እና-ሆነ | ጥዋት | ቀን | ሦስተኛ | ፡ |
| H1961 | H6153 | H1961 | H1242 | H3117 | H7992 | |

ማታም ሆነ ጥዋትም ሆነ፥ ሦስተኛ ቀን።

14

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיֹּאמֶר | אֱלֹהִים | יְהִי | מְאֹרֹת | בִּרְקִיעַ | הַשָּׁמַיִם | לְהַבְדִּיל | בֵּין | הַיּוֹם | וּבֵין |
| -እና-አለ | አምላክ | ይሁኑ | ብርሃናት | -በ-ጠፈር | -ያ-ሰማያት | -ለ-ማለያየት | -በ-መካከል | -ያ-ቀን | -እና-በ-መካከል |
| H0559 | H0430 | H1961 | H3974 | H7549 | H8064 | H0914 | H0996 | H3117 | H0996 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| הַלָּיְלָה | וְהָיוּ | לְאֹתֹת | וּלְמוֹעֲדִים | וּלְיָמִים | וְשָׁנִים׃ |
| -ያ-ሌሊት | -እና-ይሁኑ | -ለ-ምልክቶች | -እና-ለ-ወቅቶች | -እና-ለ-ቀናት | -እና-ዓመታት |
| H3915 | H1961 | H0226 | H4150 | H3117 | H8141 |

እግዚአብሔርም አለ። ቀንና ሌሊትን ይለዩ ዘንድ ብርሃናት በሰማይ ጠፈር ይሁኑ፤ ለምልክቶች ለዘመኖች ለዕለታት ለዓመታትም ይሁኑ፤

15

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וְהָיוּ | לִמְאוֹרֹת | בִּרְקִיעַ | הַשָּׁמַיִם | לְהָאִיר | עַל־ | הָאָרֶץ | וַיְהִי־ | כֵן׃ |
| -እና-ይሁኑ | -ለ-ብርሃናት | -በ-ጠፈር | -ያ-ሰማያት | -ለ-ማብራት | -በ-ላይ | -ያ-ምድር | -እና-ሆነ | እንዲሁ |
| H1961 | H3974 | H7549 | H8064 | H0215 | | H0776 | H1961 | |

በምድር ላይ ያበሩ ዘንድ በሰማይ ጠፈር ብርሃናት ይሁኑ፤ እንዲሁም ሆነ።

16

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיַּעַשׂ | אֱלֹהִים | אֶת־ | שְׁנֵי | הַמְּאֹרֹת | הַגְּדֹלִים | אֶת־ | הַמָּאוֹר | הַגָּדֹל | לְמֶמְשֶׁלֶת |
| -እና-አደረገ | አምላክ | (ን) | ሁለት | -ያ-ብርሃናት | -ያ-ትላልቆች | (ን) | -ያ-ብርሃን | -ያ-ትልቅ | -ለ-ግዛት |
| | H0430 | H0853 | H8147 | H3974 | | H0853 | H3974 | | H4475 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| הַיּוֹם | וְאֶת־ | הַמָּאוֹר | הַקָּטֹן | לְמֶמְשֶׁלֶת | הַלַּיְלָה | וְאֶת | הַכּוֹכָבִים׃ |
| -ያ-ቀን | -እና-(ን) | -ያ-ብርሃን | -ያ-ትንሽ | -ለ-ግዛት | -ያ-ሌሊት | -እና-(ን) | -ያ-ከዋክብት |
| H3117 | H0853 | H3974 | | H4475 | H3915 | H0853 | H3556 |

እግዚአብሔርም ሁለት ታላላቆች ብርሃናትን አደረገ፤ ትልቁ ብርሃን በቀን እንዲሠለጥን፥ ትንሹም ብርሃን በሌሊት እንዲሰለጥን፤ ከዋክብትንም ደግሞ አደረገ።

17

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיִּתֵּן | אֹתָם | אֱלֹהִים | בִּרְקִיעַ | הַשָּׁמָיִם | לְהָאִיר | עַל־ | הָאָרֶץ׃ |
| -እና-ሰጠ | እነሱን | አምላክ | -በ-ጠፈር | -ያ-ሰማያት | -ለ-ማብራት | -በ-ላይ | -ያ-ምድር |
| H5414 | H0853 | H0430 | H7549 | H8064 | H0215 | | H0776 |

እግዚአብሔርም በምድር ላይ ያበሩ ዘንድ በሰማይ ጠፈር አኖራቸው፤

18

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וְלִמְשֹׁל | בַּיּוֹם | וּבַלַּיְלָה | וְלַהַבְדִּיל | בֵּין | הָאוֹר | וּבֵין | הַחֹשֶׁךְ |
| -እና-ለ-መግዛት | -በ-ቀን | -እና-በ-ሌሊት | -እና-ለ-ማለያየት | -በ-መካከል | -ያ-ብርሃን | -እና-በ-መካከል | -ያ-ጨለማ |
| H4910 | H3117 | H3915 | H0914 | H0996 | H0216 | H0996 | H2822 |

| | | |
|---|---|---|
| וַיַּרְא | אֱלֹהִים | כִּי־ | טוֹב׃ |
| -እና-አየ | አምላክ | እንደ | ጥሩ |
| H7200 | H0430 | | |

በቀንም በሌሊትም እንዲሠለጥኑ፥ ብርሃንንና ጨለማንም እንዲለዩ፤ እግዚአብሔርም ያ መልካም እንደ ሆነ አየ።

19

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיְהִי־ | עֶרֶב | וַיְהִי־ | בֹקֶר | יוֹם | רְבִיעִי׃ | פ |
| -እና-ሆነ | ማታ | -እና-ሆነ | ጥዋት | ቀን | አራተኛ | ፤ |
| H1961 | H6153 | H1961 | H1242 | H3117 | H7243 | |

ማታም ሆነ ጥዋትም ሆነ፥ አራተኛ ቀን።

20

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיֹּאמֶר | אֱלֹהִים | יִשְׁרְצוּ | הַמַּיִם | שֶׁרֶץ | נֶפֶשׁ | חַיָּה | וְעוֹף | יְעוֹפֵף | עַל־ | הָאָרֶץ | עַל־ |
| -እና-አለ | አምላክ | ይፈልፈሉ | -ያ-ውሃ | ፍጥረት | ነፍስ | ሕያው | -እና-ወፍ | ይብረር | -በ-ላይ | -ያ-ምድር | -በ-ላይ |
| H0559 | H0430 | H8317 | H4325 | H8318 | H5315 | | H5775 | | | H0776 | |

| | | |
|---|---|---|
| פְּנֵי | רְקִיעַ | הַשָּׁמָיִם׃ |
| ፊት | ጠፈር | -ያ-ሰማያት |
| H6440 | H7549 | H8064 |

እግዚአብሔርም አለ። ውኃ ሕያው ነፍስ ያላቸውን ተንቀሳቃሾች ታስገኝ፥ ወፎችም ከምድር በላይ ከሰማይ ጠፈር በታች ይብረሩ።

21

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיִּבְרָא | אֱלֹהִים | אֶת־ | הַתַּנִּינִם | הַגְּדֹלִים | וְאֵת | כָּל־ | נֶפֶשׁ | הַחַיָּה | הָרֹמֶשֶׂת | |
| -እና-ፈጠረ | አምላክ | (ን) | -ያ-ታላላቅ-ዓሣዎች | -ያ-ትላልቆች | -እና-(ን) | ሁሉ | ነፍስ | -ያ-ሕያው | -ያ-ተንቀሳቃሽ | |
| | H0430 | H0853 | | | H0853 | H3605 | H5315 | | H7430 | |

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| אֲשֶׁר | שָׁרְצוּ | הַמַּיִם | לְמִינֵהֶם | וְאֵת | כָּל־ | עוֹף | כָּנָף | לְמִינֵהוּ | וַיַּרְא | אֱלֹהִים | כִּי־ | |
| የ | ፈለፈሉ | -ያ-ውሃ | -ለ-ዓይነታቸው | -እና-(ን) | ሁሉ | ወፍ | ክንፍ | -ለ-ዓይነቱ | -እና-አየ | አምላክ | እንደ | |
| | H8317 | H4325 | H4327 | H0853 | H3605 | H5775 | H3671 | H4327 | H7200 | H0430 | | |

| |
|---|
| טוֹב׃ |
| ጥሩ |

> እግዚአብሔርም ታላላቆች አንበሪዎችን፥ ውኃይቱ እንደ ወገኑ ያስገኘቻቸውንም ተንቀሳቃሾቹን ሕያዋን ፍጥረታት ሁሉ፥ እንደ ወገኑ የሚበሩትንም ወፎች ሁሉ ፈጠረ፤ እግዚአብሔርም ያ መልካም እንደ ሆነ አየ።

22

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיְבָרֶךְ | אֹתָם | אֱלֹהִים | לֵאמֹר | פְּרוּ | וּרְבוּ | וּמִלְאוּ | אֶת־ | הַמַּיִם | בַּיַּמִּים | וְהָעוֹף |
| -እና-ባረከ | እነሱን | አምላክ | -ለ-ማለት | ብዙ | -እና-ተባዙ | -እና-ሙሉ | (ን) | -ያ-ውሃ | -በ-ባሕሮች | -እና-ያ-ወፍ |
| H1288 | H0853 | H0430 | H0559 | H6509 | | H4390 | H0853 | H4325 | H3220 | H5775 |

| | |
|---|---|
| יִרֶב | בָּאָרֶץ׃ |
| ይብዛ | -በ-ምድር |
| | H0776 |

> እግዚአብሔርም እንዲህ ብሎ ባረካቸው። ብዙ ተባዙም የባሕርንም ውኃ ሙሉአት፤ ወፎችም በምድር ላይ ይብዙ።

23

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיְהִי־ | עֶרֶב | וַיְהִי־ | בֹקֶר | יוֹם | חֲמִישִׁי׃ | פ |
| -እና-ሆነ | ማታ | -እና-ሆነ | ጥዋት | ቀን | አምስተኛ | ፡ |
| H1961 | H6153 | H1961 | H1242 | H3117 | H2549 | |

> ማታም ሆነ ጥዋትም ሆነ፥ አምስተኛ ቀን።

24

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיֹּאמֶר | אֱלֹהִים | תּוֹצֵא | הָאָרֶץ | נֶפֶשׁ | חַיָּה | לְמִינָהּ | בְּהֵמָה | וָרֶמֶשׂ | וְחַיְתוֹ־ | אֶרֶץ | | |
| -እና-አለ | አምላክ | ታውጣ | -ያ-ምድር | ነፍስ | ሕያው | -ለ-ዓይነቷ | እንስሳ | -እና-ተንቀሳቃሽ | -እና-አራዊት | ምድር | | |
| H0559 | H0430 | H3318 | H0776 | H5315 | | H4327 | H0929 | H7431 | | H0776 | | |

| | | |
|---|---|---|
| לְמִינָהּ | וַיְהִי־ | כֵן׃ |
| -ለ-ዓይነቷ | -እና-ሆነ | እንዲሁ |
| H4327 | H1961 | |

> እግዚአብሔርም አለ። ምድር ሕያዋን ፍጥረታትን እንደ ወገኑ፥ እንስሳትንና ተንቀሳቃሾችን የምድር አራዊትንም እንደ ወገኑ፥ ታውጣ፤ እንዲሁም ሆነ።

25

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיַּעַשׂ | אֱלֹהִים | אֶת־ | חַיַּת | הָאָרֶץ | לְמִינָהּ | וְאֶת־ | הַבְּהֵמָה | לְמִינָהּ | וְאֵת | כָּל־ | | |
| -እና-አደረገ | አምላክ | (ን) | አራዊት | -ያ-ምድር | -ለ-ዓይነቷ | -እና-(ን) | -ያ-እንስሳ | -ለ-ዓይነቷ | -እና-(ን) | ሁሉ | | |
| | H0430 | H0853 | | H0776 | H4327 | H0853 | H0929 | H4327 | H0853 | H3605 | | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| רֶמֶשׂ | הָאֲדָמָה | לְמִינֵהוּ | וַיַּרְא | אֱלֹהִים | כִּי־ | טוֹב׃ |
| ተንቀሳቃሽ | -ያ-አፈር | -ለ-ዓይነቱ | -እና-አየ | አምላክ | እንደ | ጥሩ |
| H7431 | H0127 | H4327 | H7200 | H0430 | | |

> እግዚአብሔር የምድር አራዊትን እንደ ወገኑ አደረገ፥ እንስሳውንም እንደ ወገኑ፥ የመሬት ተንቀሳቃሾችንም እንደ ወገኑ አደረገ፤ እግዚአብሔርም ያ መልካም እንደ ሆነ አየ።

26

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיֹּאמֶר | אֱלֹהִים | נַעֲשֶׂה | אָדָם | בְּצַלְמֵנוּ | כִּדְמוּתֵנוּ | וְיִרְדּוּ | בִדְגַת | הַיָּם | וּבְעוֹף | | | |
| -እና-አለ | አምላክ | እንሥራ | ሰው | -በ-መልካችን | -እንደ-ምሳሌያችን | -እና-ይግዙ | -በ-ዓሣ | -ያ-ባሕር | -እና-በ-ወፍ | | | |
| H0559 | H0430 | | H0120 | H6754 | H1823 | | H1710 | H3220 | H5775 | | | |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| הַשָּׁמַיִם | וּבַבְּהֵמָה | וּבְכָל־ | הָאָרֶץ | וּבְכָל־ | הָרֶמֶשׂ | הָרֹמֶשֶׂת | עַל־ | הָאָרֶץ׃ |
| -ያ-ሰማያት | -እና-በ-እንስሳ | -እና-በ-ሁሉ | -ያ-ምድር | -እና-በ-ሁሉ | -ያ-ተንቀሳቃሽ | -ያ-የሚንቀሳቀስ | -በ-ላይ | -ያ-ምድር |
| H8064 | H0929 | H3605 | H0776 | H3605 | H7431 | H7430 | | H0776 |

> እግዚአብሔርም አለ። ሰውን በመልካችን እንደ ምሳሌአችን እንፍጠር፤ የባሕር ዓሦችንና የሰማይ ወፎችን፥ እንስሳትንና ምድርን ሁሉ፥ በምድር ላይ የሚንቀሳቀሱትንም ሁሉ ይግዙ።

27

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיִּבְרָא | אֱלֹהִים | אֶת־ | הָאָדָם | בְּצַלְמוֹ | בְּצֶלֶם | אֱלֹהִים | בָּרָא | אֹתוֹ | זָכָר | וּנְקֵבָה |
| -እና-ፈጠረ | አምላክ | (ን) | -ያ-ሰው | -በ-መልኩ | -በ-መልክ | አምላክ | ፈጠረ | እሱን | ወንድ | -እና-ሴት |
| | H0430 | H0853 | H0120 | H6754 | H6754 | H0430 | | H0853 | H2145 | H5347 |

| | |
|---|---|
| בָּרָא | אֹתָם׃ |
| ፈጠረ | እነሱን |
| | H0853 |

እግዚአብሔርም ሰውን በመልኩ ፈጠረ፤ በእግዚአብሔር መልክ ፈጠረው፤ ወንድና ሴት አድርጎ ፈጠራቸው።

28

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיְבָרֶךְ | אֹתָם | אֱלֹהִים | וַיֹּאמֶר | לָהֶם | אֱלֹהִים | פְּרוּ | וּרְבוּ | וּמִלְאוּ | אֶת־ | הָאָרֶץ |
| -እና-ባረከ | እነሱን | አምላክ | -እና-አለ | -ለ-እነሱ | አምላክ | ብዙ | -እና-ተባዙ | -እና-ሙሉ | (ን) | -ያ-ምድር |
| H1288 | H0853 | H0430 | H0559 | | H0430 | H6509 | | H4390 | H0853 | H0776 |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וְכִבְשֻׁהָ | וּרְדוּ | בִּדְגַת | הַיָּם | וּבְעוֹף | הַשָּׁמַיִם | וּבְכָל־ | חַיָּה | הָרֹמֶשֶׂת | עַל־ |
| -እና-ግዙአት | -እና-ግዙ | -በ-ዓሣ | -ያ-ባሕር | -እና-በ-ወፍ | -ያ-ሰማያት | -እና-በ-ሁሉ | ሕያው | -ያ-ተንቀሳቃሽ | -በ-ላይ |
| H3533 | | H1710 | H3220 | H5775 | H8064 | H3605 | | H7430 | |

| |
|---|
| הָאָרֶץ׃ |
| -ያ-ምድር |
| H0776 |

እግዚአብሔርም ባረካቸው፥ እንዲህም አላቸው። ብዙ፥ ተባዙ፥ ምድርንም ሙሉአት፥ ግዙአትም፤ የባሕርን ዓሦችና የሰማይን ወፎች በምድር ላይ የሚንቀሳቀሱትንም ሁሉ ግዙአቸው።

29

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיֹּאמֶר | אֱלֹהִים | הִנֵּה | נָתַתִּי | לָכֶם | אֶת־ | כָּל־ | עֵשֶׂב | זֹרֵעַ | זָרַע | אֲשֶׁר |
| -እና-አለ | አምላክ | እነሆ | ሰጠሁ | -ለ-እናንተ | (ን) | ሁሉ | ዕፅዋት | ዘር-ያዘረ | ዘር | የ |
| H0559 | H0430 | H2009 | H5414 | | H0853 | H3605 | H6212 | H2232 | H2233 | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| עַל־ | פְּנֵי | כָל־ | הָאָרֶץ | וְאֶת־ | כָּל־ | הָעֵץ | אֲשֶׁר־ | בּוֹ | פְרִי־ | עֵץ | זֹרֵעַ | זָרַע |
| -በ-ላይ | ፊት | ሁሉ | -ያ-ምድር | -እና-(ን) | ሁሉ | -ያ-ዛፍ | የ | -በ-ውስጡ | ፍሬ | ዛፍ | ዘር-ያዘረ | ዘር |
| | H6440 | H3605 | H0776 | H0853 | H3605 | H6086 | | | H6529 | H6086 | H2232 | H2233 |

| | | |
|---|---|---|
| לָכֶם | יִהְיֶה | לְאָכְלָה׃ |
| -ለ-እናንተ | ይሆናል | -ለ-ምግብ |
| | H1961 | H0402 |

እግዚአብሔርም አለ። እነሆ መብል ይሆናችሁ ዘንድ በምድር ፊት ሁሉ ላይ ዘሩ በእርሱ ያለውን ሐመልማል ሁሉ፥ የዛፍን ፍሬ የሚያፈራውንና ዘር ያለውንም ዛፍ ሁሉ ሰጠኋችሁ፤

30

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וּלְכָל־ | חַיַּת | הָאָרֶץ | וּלְכָל־ | עוֹף | הַשָּׁמַיִם | וּלְכֹל | רוֹמֵשׂ | עַל־ | הָאָרֶץ |
| -እና-ለ-ሁሉ | አራዊት | -ያ-ምድር | -እና-ለ-ሁሉ | ወፍ | -ያ-ሰማያት | -እና-ለ-ሁሉ | ተንቀሳቃሽ | -በ-ላይ | -ያ-ምድር |
| H3605 | | H0776 | H3605 | H5775 | H8064 | H3605 | H7430 | | H0776 |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| אֲשֶׁר־ | בּוֹ | נֶפֶשׁ | חַיָּה | אֶת־ | כָּל־ | יֶרֶק | עֵשֶׂב | לְאָכְלָה | וַיְהִי־ | כֵן׃ |
| የ | -በ-ውስጡ | ነፍስ | ሕያው | (ን) | ሁሉ | ልምለሜ | ዕፅዋት | -ለ-ምግብ | -እና-ሆነ | እንዲሁ |
| | | H5315 | | H0853 | H3605 | H3418 | H6212 | H0402 | H1961 | |

ለምድርም አራዊት ሁሉ፥ ለሰማይም ወፎች ሁሉ፥ ሕያው ነፍስ ላላቸው ለምድር ተንቀሳቃሾችም ሁሉ የሚበቅለው ሐመልማል ሁሉ መብል ይሁንላቸው፤ እንዲሁም ሆነ።

31

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיַּרְא | אֱלֹהִים | אֶת־ | כָּל־ | אֲשֶׁר | עָשָׂה | וְהִנֵּה־ | טוֹב | מְאֹד | וַיְהִי־ | עֶרֶב | וַיְהִי־ | בֹקֶר | יוֹם |
| -እና-አየ | አምላክ | (ን) | ሁሉ | የ | አደረገ | -እና-እነሆ | ጥሩ | እጅግ | -እና-ሆነ | ማታ | -እና-ሆነ | ጥዋት | ቀን |
| H7200 | H0430 | H0853 | H3605 | | | H2009 | | H3966 | H1961 | H6153 | H1961 | H1242 | H3117 |

| | |
|---|---|
| פ | הַשִּׁשִּׁי׃ |
| ፡ | -ያ-ስድስተኛ |
| | H8345 |

እግዚአብሔርም ያደረገውን ሁሉ አየ፥ እነሆም እጅግ መልካም ነበረ። ማታም ሆነ ጥዋትም ሆነ፥ ስድስተኛ ቀን።